[Shri A. P. Sharma]

because the weather was bad. But how does the Minister say that the weather was not bad?

Shri C. M. Poonacha: This was because of the delay in reaching the place. The rescue party could reach the place only in the late hours of the evening. At 1330 hrs. the helicopter could land alongside and locate them; the wreckage was there and three bodies were immediately located; one body was under the debris.

श्री ओंकार लाल बेरवा (कोटा) : मैं यह जानना चाहूंगा कि जो मरे हैं उनको तत्कालीन सहायता क्या दी गई है सरकार की तरफ से ?

Shri C. M. Poonacha: For the families of the Pilots and the Flt. Engineer, the compensation and other things as laid down under the rules will be immediately arranged to be paid as soon as the formalities under the prescribed rules are complied with.

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं तत्कालीन सहायता के लिये पूछ रहा हूं। जो दी जायगी उसकी बात नहीं कर रहा हूं। तत्कालीन क्या सहायता दी गई, इसका जवाब नहीं आया।

अध्यक्ष महोदय : मैं इससे ज्यादा और क्या कर सकता हूं।

13.49 hrs.

CORRECTION OF ANSWER TO S. Q. NO. 361 RE. VIGYAN MANDIRS

The Deputy Minister in the Ministry of Education (Shrimati Soundaram Ramachandran): I rise to correct a small error that crept into my reply to the supplementary question put by Shrimati Savitri Nigam arising out of Starred Question No. 361 answered on 10th August, 1966.

A statement correcting the Answer is laid on the Table of the House. [*Placed in Library, See* No. LT-7025/66].

I had stated then that "Then, this was given to certain private institutions also working in the rural areas having the rural training centres, etc." The correct position, however, is that it was considered to give Vijnan Mandirs to selected Rural Institutes—but this is still under consideration.

I regret that this correction could not be made earlier.

13.50 hrs.

RE: STATEMENT BY MEMBER UNDER DIRECTION 115 AND STATEMENT CORRECTION OF ANSWER TO S. Q. NO. 634 Re: DAS COMMISSION REPORT

अध्यक्ष महोदय : डा० राम मनोहर लोहिया।

डा० राम मनोहर लोहिया : (फर्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मुझे कोई बयान नहीं करना है। लेकिन शुक्रवार या शनिवार को करीब 12 लाख रुपये के चोरी के सोने की बात उठाई थी, लेकिन वह बात दबा दी गई। मुझे इजाजत दें, क्योंकि वह बहुत सख्त बात है।

अध्यक्ष महोदय : जो आर्डर-पेपर में है, मैं आपको उसी की इजाजत दूंगा।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं ने उसकी रजामन्दी नहीं दी थी, मैंने वह नहीं करना है। लेकिन .....

अध्यक्ष महोदय : और मामले के लिये आप मुझे लिखिये।

डा० राम मनोहर लोहिया : जहां तक लिखने का प्रश्न है, अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कितने मामले इस तरह से चलते रहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : लेकिन इस तरह से मैं आपको इजाजत नहीं दूंगा।

डा० राम मनोहर लोहिया : एक बात मैं पूछूं, जो भाषण दिये जाते हैं, उनके लिये आपने अक्सर कहा है कि जो मंत्री उससे

सम्बन्धित हों, वे उन पर अच्छी तरह से गौर करते हैं । यह भाषण हो चुका है । वह आदमी जो 12 लाख रुपये के सोने की चोरी के लिये जिम्मेदार है, उस पर उच्च न्यायालय राजस्थान ने फैसला दे दिया है । .....

अध्यक्ष महोदय : इस तरह से इसको नहीं उठाया जा सकता ।

डा० राम मनोहर लोहिया : फिर किस तरह से उठाया जाय । मैं कह चुका हूं कि यह भाषण हो चुका है ।

अध्यक्ष महोदय : इस तरह से नहीं उठाया जा सकता ।

डा० राम मनोहर लोहिया : इस मामले में उच्च न्यायालय का फैसला हो चुका है ।

अध्यक्ष महोदय : डाक्टर साहब, इस तरह से कैसे ले सकता हूं । जो चीज एजण्डे में न हो, उस को इस तरह से कैसे उठाने दे सकता हूं ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मेरी मुसीबत है, किस तरह से उठाऊं । इस पर भाषण हो चुका है लेकिन फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हो सकती । 10—15 दिन बीत जाते हैं, नतीजा यह होता है, कि मेरे जैसा आदमी फिर कुछ थक भी जाता है ।

Mr. Speaker: Mr. Madhu Limaye.

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): On a point of order. If I understand aright, I think the only inference on this is that there was some error in the answer given by the Minister to a supplementary question on the Starred Question concerning the Das Commission's report. It is obvious, as otherwise you would not have allowed this to appear on the order paper. An error has been made, a mistake has been committed, by the Minister in answer to the supplementary question. I do not know why Dr. Lohia has chosen not to make that statement under Direction 115. But does it mean that the error which you have recognised after consulting both the Member and the Minister remains on the record? The Minister is not making any statement . . .

Mr. Speaker: If he wants to make a statement, he can.

Shri Hari Vishnu Kamath: But you called Mr. Limaye. It is there on the order paper that Shri Jai Sukh Lal Hathi is to make a statement in reply thereto.

Mr. Speaker: Yes.

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): On behalf of Shri Jai Sukh Lal Hathi, I beg to lay on the Table of the House a statement correcting the answer given in reply to a supplementary question arising out of Starred Question No. 634 answered in the Lok Sabha on 24th August, 1966. [*Placed in Library. See* No. LT-7026/66].

13.54 hrs.

PERSONAL EXPLANATION BY MEMBER UNDER RULE 357 *Re.* REFERENCE TO A SPEECH OF THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, संसद कार्य मंत्री ने 25 अगस्त को सदन में कहा कि बंगलौर में पांचवें सचेतक सम्मेलन में उनके द्वारा दिये गये भाषण में से मैंने जो उद्धरण दिया वह ठीक नहीं था, मैंने उस में से कुछ हिस्सा छोड़ दिया था । मंत्री महोदय ने यह भी कहा कि श्री मधु लिमये से उनको इससे अच्छे व्यवहार की उम्मीद थी ।

मंत्री महोदय का कहना एकदम दुरुस्त है कि जब किसी व्यक्ति को उद्धृत करना हो तो ठीक तरह करना चाहिये, तोड़ मरोड़ कर नहीं । मैं भी मानता हूं कि बौद्धिक ईमानदारी की यह न्यूनतम कसौटी है । जिनके पास तथ्यों की और दलीलों की कमी होती है वे लोग ही ऐसा काम करते हैं ।